Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Shiva Sena MP's threat.

श्रीमती नवनित रवि राणा (अमरावती): माननीय सभापति जी, मैं इस हाउस में चेयर से न्याय मांगने की गुहार करती हूं । दो दिन पहले इस सदन में शून्य काल में हमने महाराष्ट्र के अपने क्षेत्र का प्रश्न उठाया था । हम बोलने के बाद अपनी सीट पर बैठते हैं । हमने जिस पार्टी के विरोध में और जिस पार्टी के सीएम के बारे में कहा था । …(व्यवधान) यह हाउस हमें पूरी आजादी देता है, संविधान हमें हक देता है, हमें लोगों ने चुनकर यहां भेजा है ।…(व्यवधान)

मेरा सफर पिछले नौ वर्षों का है । मैं दिन-रात एक करके सदन में पहुंची हूं । मैं खून का पानी करके, एक-एक मिनट, एक-एक घंटे, एक-एक दिन मेहनत करके सदन में पहुंची हूं, न ही किसी पार्टी से दबने के लिए, न ही किसी लीडर की धमकी, थ्रेटनिंग के लिए । अगर बाहर मुझे कोई थ्रेटन करेगा, तो मैं अपने जीवन में बहुत जवाबदार हूं, मैं बचपन से काम करती हूं, इसलिए जवाब देना और लड़ना मुझे अच्छे तरीके से आता है और यही मैंने अपने जीवन में सीखा है ।

महोदय, आपके रहते, इस चेयर पर विराजमान रहते, अगर कोई व्यक्ति यहां से गुजरते हैं ।…(व्यवधान) मैं उनका नाम…(व्यवधान) मैं आपको बताना चाहती हूं कि आदरणीय बाला साहब ठाकरे जब तक थे, तब तक छत्रपति शिवाजी महाराज के विचार शिव सेना में जीवंत थे, लेकिन जबसे बाला साहब ठाकरे जी नहीं रहे, तब से शिव सेना में महिलाओं की रिस्पेक्ट खत्म हो गई है । …(व्यवधान)

आपको मुझे इसके लिए समय देना पड़ेगा, बेशक आप मुझे इसके बाद वक्त न दें । मैं आपसे ही विनती करती हूं ।…(व्यवधान)

मैं यहां बैठी थी, जैसे ही सब लोगों ने विरोध करके क्रॉस किया, उन्होंने सीधे मुझे थ्रेटन किया कि अब तुम्हारी बारी है, जेल में तुम्हें डालेंगे । …(व्यवधान) हम मैम्बर यहां बैठते हैं । मैं बहुत जूनियर हूं । दो साल में से एक साल मेरा

कोरोना में गया । मैं यहां बहुत कुछ सीखने और लोगों के लिए जिम्मेदारी निभाने आती हूं । मैं आपसे सिर्फ न्याय की गुहार लगा रही हूं ।

सर, आपकी उपस्थिति में हाउस के अंदर महिलाओं को डरा दिया जाएगा, धमका दिया जाएगा, जेल में भेज दिया जाएगा, क्या ऐसे बोलेंगे? महिलाएं वैसे भी पुरुषों के मुकाबले इस घर में कम हैं । अगर ऐसी धमकी देने वाले लोग इस हाउस में आते जाएंगे और धमकी देंगे तो आने वाले समय में महिलाएं इस हाउस में आने से डरेंगी ।

मैं आपसे विनती करती हूं, इस पर एक्शन लेना चाहिए । मैं उन्हें कल भी दादा बोलती थी, आज भी दादा बोलती हूं और कल भी बोलूंगीं । मैं उनकी उम्र की रिस्पेक्ट करूंगी । जब टीवी पर मैंने उनका इंटरव्यू सुना तो उन्होंने कहा कि जब भी वह उद्धव साहब के बारे में बात करती हैं तो उनकी बॉडी लैंग्वेज तिरस्कारी होती है । क्या मुझे अब यह सिखाएंगे या महिला सांसदों को सिखाएंगे कि महिलाओं की बॉडी लैंग्वेज हाउस में किस तरह से होनी चाहिए? हमारे फादर और मदर, पेरेंट्स सिखाते हैं कि जिंदगी में लड़कर आगे कैसे बढ़ना चाहिए । हमें इनसे बॉडी लैंग्वेज सीखने की जरूरत नहीं है । ...(व्यवधान)

मैं आपसे न्याय की मांग करती हूं । आपकी चेयर मुझे इस बात के लिए न्याय देगी, नहीं तो इस सदन में हर महिला आने से डरेगी । ...(व्यवधान) धन्यवाद ।

माननीय सभापति : श्री राजकुमार चाहर जी ।

...(व्यवधान)

माननीय सभापति: सावंत जी, आपको इनके बाद बोलने का मौका मिलेगा ।

...(व्यवधान)

माननीय सभापति: उन्होंने नाम तो नहीं लिया ।

...(व्यवधान)

माननीय सभापतिः आपको शून्य प्रहर में बोलने का अवसर मिल जाएगा, लेकिन इस कारण से नहीं ।

…(व्यवधान)

माननीय सभापतिः आप बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)